RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्यः ₹ 02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
स्वराज इंडिया
सांध्यकालीन समाचार पत्र
कानपुर, गुरुवार, 12 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 163, पृष्ठः 8+4

पीएम मार्क कार्नी सरकार ने खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का किया भंडाफोड़

» Pg 12

इनसाइड फार्म हॉउस से जमीन घोटाले का आरोपी सत्येंद्र गिरफ्तार... » Pg 04

अहमदाबाद में प्लेन क्रैश

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी थे सवार, डॉक्टरों की हॉस्टल में गिरा एआई का विमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा हुआ है। एयर इंडिया का बी787 विमान वीटी-एएनबी अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 242 लोग सवार थे, जिनमें 2 पायलट और 10 केबिन क्रू शामिल थे।

अहमदाबाद में सबसे बड़ा प्लेन क्रैश हुआ है। एयर इंडिया के विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से दोपहर 1 बजकर 48 मिनट पर टेक ऑफ किया। ठीक 9 मिनट बाद 625 फीट की ऊंचाई पर विमान क्रैश हो गया है। विमान ने लंदन के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 242 यात्री सवार थे, जिनमें 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे। विमान क्रैश होते ही यह आग के गोले में तब्दील हो गया। साथ ही आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। यह हादसा अहमदाबाद हॉर्स कैंप के पास हुआ है, जो कि सिविल हॉस्पिटल के पास है। हादसे के बाद एयरफोर्स और आर्मी की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। एनडी आरफा की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है।

एयर इंडिया ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर : एयर इंडिया ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। एयर इंडिया की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पैसेंजर हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 शुरू किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एयर इंडिया ने कहा कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया जा रहा है।

पीएम ने ली हादसे की जानकारी, अहमदाबाद एयरपोर्ट बंद

एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि अहमदाबाद से लंदन गैटविक जाने वाली उड़ान संख्या एआई171 आज उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अहमदाबाद से दोपहर 1338 बजे रवाना हुई इस उड़ान में बोइंग 787-8 विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 169 भारतीय नागरिक हैं, 53 ब्रिटिश नागरिक हैं, 1 कनाडाई नागरिक है और 7 पुर्तगाली नागरिक हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया जा रहा है।

100 से ज्यादा शव अब तक मिलने की जानकारी मिल रही

एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने भी विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि हमारी इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर मौजूद है। जरूरतमंद लोगों को पूरी मदद दी जा रही है। जैसे ही हमें और सही जानकारी मिलेगी, हम आगे अपडेट देते रहेंगे। उन्होंने बताया कि हमने एक इमरजेंसी हेल्प सेंटर शुरू किया है ताकि जिन परिवारों को जानकारी चाहिए, उन्हें मदद मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से बात की। उन्होंने विमान दुर्घटना का जायजा लिया। मंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं। पीएम मोदी ने मंत्री से कहा है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं।

बांदा में दरिंदगी का शिकार हुई मासूम ने तोड़ा दम

कानपुर के एलएलआर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बांदा में तीन वर्ष की मासूम के साथ हुई दरिंदगी का जख्म सह रही नन्हीं बिटिया ने बुधवार सुबह अंतिम सांस ली। एलएलआर अस्पताल के बाल रोग विभाग के वेंटिलेटर पर हर सांस के लिए संघर्ष कर रहीं मासूम की स्थिति में सात दिनों तक कोई सुधार नहीं हुआ।

नाजुक अंगों में गंभीरता और संक्रमण के चलते कोमा में पहुंची बच्ची को बचाने का प्रयास हर दिन चिकित्सकों ने किया। लेकिन दरिंदगी का शिकार हुई बच्ची जख्मों से उबर नहीं पाई और दुनिया को अलविदा कह गई।

पांच जून को एलएलआर अस्पताल में गंभीर स्थिति में पहुंचीं बच्ची का इलाज बाल रोग सर्जन, सर्जरी विभाग के चिकित्सक, न्यूरो सजग्न और गायनी विभाग की विशेषज्ञ कर रहे थे। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि बच्ची वेंटिलेटर पर भी गंभीर स्थिति में थी।

डॉक्टरों की टीम हर समय बच्ची की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। मंगलवार देर रात बच्ची अचानक डीप कोमा में जाने लगी और बुधवार सुबह उसने अंतिम सांस ली। उन्होंने कहा कि कोमा में होने के बाद भी बच्ची के कुछ अंगों में सक्रियता दिख रही थी। इसलिए हमारी टीम हर समय सक्रिय थी।

बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र गौतम ने कहा कि बाल रोग विभाग के आइसीयू में वेंटिलेटर पर होने के बाद भी पहले दिन से बच्ची की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा था।

कानपुर में बच्ची के रेपिस्ट का हाफ एनकाउंटर

बच्ची से दरिंदगी के बाद आरोपी की पुलिस से मुठभेड़

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र में 6 साल की मासूम से दरिंदगी के बाद पुलिस ने गुरुवार तड़के आरोपी कल्लू उर्फशिवम को मुठभेड़ में दबोच लिया। यह वही युवक है जिसने बच्ची को दुकान जाते समय अगवा किया और मजार के पीछे ले जाकर बलात्कार कर सिर पर ईंट से हमला किया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था। गुरुवार तड़के रामसारी रोड पर उसकी लोकेशन मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने देसी तमंचे से फायरिंग की, एक गोली घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय के बगल से गुजरी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को घाटमपुर सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद हैलट रेफर किया

गया है। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

घटना के बाद गंभीर हालत में मिली बच्ची को पहले घाटमपुर सीएचसी और फिर हैलट मेडिकल कॉलेज रेफर किया। 15 घंटे बाद उसे कुछ देर के लिए होश आया पर बच्ची बयान देने की स्थिति में नहीं है। डॉक्टरों के अनुसार सिर की हड्डी क्रैक है, चेहरे पर 10 से अधिक चोटों के निशान और कुल 40 टांके लगे हैं जिससे साफहै कि उसके साथ घिनौनी दरिंदगी हुई।

कर्ज की जंजीरों में उलझा कर्मचारी, फांसी पर झूला

यूनिवर्सिटी के क्लर्क ने की आत्महत्या, दबाव और मारपीट से टूटा मनोबल

» पुत्र ने उठाए गंभीर सवाल, कहा उधार देने वालों ने किया था शारीरिक उत्पीड़न

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कर्ज के दलदल में फंसे छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के एक क्लर्क ने आत्महत्या कर ली।

बुधवार को उनका शव यूनिवर्सिटी परिसर स्थित सरकारी आवास में फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान गोरखपुर निवासी 50 वर्षीय राकेश गौड़ के रूप में हुई, जो विश्वविद्यालय के वित्त विभाग में तैनात थे।

बेटे अमन ने बताया कि पिता पर कुल लगभग 30 लाख रुपये का कर्ज था, जिसमें से करीब 12 लाख रुपये बैंक का और शेष निजी साहूकारों से लिया गया था।

हालात इतने बिगड़ चुके थे कि कर्ज वसूलने वाले लोग रोज़ाना घर तक आने लगे थे। कई बार पिता को धमकियां दी गईं और 15 दिन पहले तो चार युवकों ने उन्हें कैंपस के अंदर ही पीट दिया था।

तनाव, तंगदस्ती और ताना कर्जदारों ने नहीं छोड़ा पीछा

राकेश गौड़ ने कर्ज चुकाने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन ब्याज दरों और धमकियों के आगे उनकी एक न चली।

बेटे अमन ने बताया कि डेढ़ साल पहले पिता ने अभिषेक कटियार नामक व्यक्ति से एक लाख रुपये उधार लिए थे, जिसने बाद में चेक बाउंस का मुकदमा भी दर्ज करा दिया। राकेश को उस मामले में जमानत मिल गई थी, लेकिन सामाजिक अपमान और आर्थिक दबाव से वह उबर नहीं सके।

घटना के समय राकेश की पत्नी सरिता देवी अपने मायके गोरखपुर गई थीं और बेटा अमन घर में ही मौजूद था।

अमन को लगा पिता देर तक सो रहे हैं, लेकिन जब दोपहर तक दरवाजा नहीं खुला, तो उसने खिड़की से झांककर देखा। सामने का दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला था—पिता फांसी के फंदे पर झूल रहे थे।

प्रशासन और पुलिस पर सवाल

फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। लेकिन अमन का सवाल है अगर 15 दिन पहले पिता के साथ मारपीट हुई थी तो यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की?

नाबालिग को ब्लैकमेल कर शोषण की साजिश

» कानपुर देहात में एक महिला ने किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर दो लाख रुपये की मांग की

दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर देहात (रनिया)। जिले के रनिया थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा पड़ोस में रहने वाली नाबालिग लड़की का छुपकर वीडियो बनाने और उसे कथित रूप से गलत गतिविधियों में धकेलने का दबाव डालने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता महिला, जो मूल रूप से घाटमपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली हैं, वर्तमान में अपनी नाबालिग बेटी के साथ रनिया में एक किराए के मकान में रहती हैं। उनका कहना है कि वे एक निजी कंपनी में काम करती हैं और यहीं किराए पर रहकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। उसी मकान में एक अन्य महिला – रूबी (परिवर्तित नाम) – भी किराए पर रहती है, जो पास के ही गांव की निवासी है।

पीड़िता की मां का आरोप है कि उनकी नाबालिग बेटी के नहाते समय रूबी ने चुपके से उसका वीडियो और तस्वीरें बना लीं और फिर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

आरोप के मुताबिक, आरोपी महिला ने वीडियो डिलीट करने के बदले दो लाख रुपये की मांग की और लड़की को अपने कुछ पुरुष परिचितों से मिलने के लिए मानसिक दबाव डाला।

जब किशोरी और उसकी मां ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, तो कथित रूप से सोशल मीडिया पर वीडियो व तस्वीरें साझा करने की धमकी दी गई।

बाद में कुछ अश्लील टिप्पणियों के साथ लड़की की छवि को बदनाम करने की कोशिश भी की गई ।पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी महिला क्षेत्र में एक संगठित गिरोह के साथ जुड़ी हुई है, जो युवतियों को फंसा कर उनसे अवैध कार्य करवाने की कोशिश करता है। परिवार को अब लगातार धमकियां मिल रही हैं, जिससे वे भयभीत होकर अपने मूल गांव लौट गए हैं।

प्रशासन पर उदासीनता का आरोप

प्रार्थना पत्र में पीड़िता की मां ने यह भी उल्लेख किया है कि स्थानीय थाना स्तर पर शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, जिससे परिवार में भय और असुरक्षा की भावना बनी हुई है ।पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक से मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह के मामलों में त्वरित कार्रवाई आवश्यक है, ताकि पीड़ित को न्याय मिले और ऐसे गिरोहों पर समय रहते शिकंजा कसा जा सके।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» नरवल की तहसीलदार ने कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी कर करीब 20 बीघा जमीन खाली करने को कहा

» 15 वर्ष पूर्व सरकारी जमीन में हेराफेरी करके कॉलेज का निर्माण का दावा

» प्रबंधन ने धन, बल रसूक से सरकारी जमीन पर खडी कर दी इमारत

बड़ा खुलासाः चारागाह की जमीन पर बना रूमा का एक्सिस कॉलेज!

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर कानपुर में सरकारी जमीनों का जमकर बंदरबांट हुआ है। भूमाफियाओं ने अरबन सीलिंग, चारागाह और तालाब सहित अन्य सुरक्षित जमीनों के अभिलेखों के हेरीफेरी कर बेंच डाला है कहीं कहीं कब्जा करके बडे बडे प्रतिष्ठान खडे कर दिए गए हैं। योगी सरकार जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं पर सख्त एक्शन ले रही है। एक ताजा प्रकरण नरवल तहसील से सामने आया है, इसमे चारागाह की वेशकीमती जमीन पर इंजीनियरिंग कॉलेज खडा कर दिया गया है। मामले में नोटिस जारी की गई है। कार्रवाई कब और कैसे होगी यह समय की गर्त में है।

तहसील कार्यालय नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर रूमा के निकट सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस

कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है।

कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर कब्जाकर 15 वर्ष पूर्व निर्माण कर दिया गया था। प्रबंधन के रसूक और उंची पहुंच के कारण स्थानीय स्तर पर कोई शिकायत या विरोध नहीं करता है। इसका फायदा कॉलेज प्रबंधन ने जमकर उठाया।

बताया जा रहा है यूपी में सरकार बदलने पर कुछ शिकायतें ऑन लाइन तरीके से की गई लेकिन उनपर एक्शन नहीं लिया गया लेकिन तहसील नर्वल की कोर्ट में एक प्रत्यावेदन दिया गया। उसपर सुनवाई के तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। वही इस संबंध में कॉलेज के प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किसी से बात नहीं हो सकी।

तहसीलदार ने जारी की नोटिस

नरवल तहसील की तहसीलदार विनीत पांडेय ने बताया कि सरकारी जमीन कब्जा करने को लेकर न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित कर दिया गया है। एक्सिस कॉलेज के सचिव राज कुशवाहा को नोटिस जारी कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। समय सीमा बीतने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

विनीता पांडेय तहसीलदार

शिकंजा

बिल्हौर इलाके में करोड़ों की जमीन कब्जाने का मामला

बिठूर स्थित फार्म हॉउस से जमीन घोटाले का आरोपी सत्येंद्र गिरफ्तार

» जमीन कब्जाने के मामले में कई दिनों से चल रहा था फरार

» एसीपी कल्याणपुर के नेतृत्व चार थानों की पुलिस फॉर्म ने पकड़ा

» कई रसूखदार नेताओं का करीबी है सत्येंद्र

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। साजिश के तहत कूट रचित दस्तावेज तैयार कर दबंगई के बल पर बिल्हौर की करोड़ो की जमीन कब्ज़ाने के मामले में फरार चल रहा आरोपित सत्येंद्र त्रिवेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी चर्चित पिंटू सेंगर हत्याकांड में जेल गए दीनू गैंग का सदस्य है। मालूम हो कि मुंबई के भूलासाई देसाई रोड़ ब्रीच निवासी रिद्धि सोहिलगाला ने साल 2013 में बिल्हौर तहसील के विशुनपुर में जमीन खरीदी थी।

आरोप है कि बिठूर थाना अंतर्गत बैकुंठपुर गांव निवासी अधिवक्ता सत्येंद्र ने सावित्री उर्फ़ राजो चौबेपुर के दीपू, प्रदीप बाजपेयी, अरुण कुमार, सुरेश ने मिलकर करीब पांच करोड़ की जमीन पर नियत खराब की और साजिस के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार कर दबँगई के बल पर जबरन कब्जा कर लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत उच्चअधिकारीयों कर न्याय की गुहार लगाई । अधिकारीयों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बिल्हौर थाना इंस्पेक्टर को मुकदमा लिखने का आदेश दिया। 24 जून सन 2024 को बिल्हौर पुलिस में केस दर्ज कर जाँच शुरू की थी।

पुलिस ने घेराबंदी कर फार्महाउस से गिरफ्तार किया

कल्याणपुर एसीपी के नेतृत्व में बिल्हौर,चौबेपुर,कल्याणपुर, और बिठूर पुलिस ने आरोपी सत्येंद्र को उसके बिठूर स्थित फार्महाउस के चारों और घेराबंदी कर गिरफ्तार किया था बुद्धवार को पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा।

बिल्हौर और बिठूर थाने में दर्ज हैं मुकदमे

आरोपी अधिवक्ता सत्येंद्र त्रिवेदी का आपराधिक इतिहास भी है बिल्हौर में एक व बिठूर थाने में छ मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज है।

जमीनों का सौदागर इस तरह से कर रहा था ऐशो आराम

पुलिस हिरासत में आरोपी सत्येंद्र द्विवेदी

घुड़सवार का शौक़ीन है सत्येंद्र

सोशल मीडिया पर आरोपी अधिवक्ता सत्येंद्र के घोड़ेपर सवार एवं कई अन्य कई फोटो प्रचलित हुई।

जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है। आरोपी घुड़सवार का शौक़ीन है। फेसबुक प्लेटफार्म पर भी उसके कई फोटोज वीडियो घोड़े एवं उसकी सवारी करते हुए हैं।

कई रसूखदार नेताओं का करीबी

सूत्र बताते हैं की सत्येंद्र के कानपुर शहर, समेत बिल्हौर व चौबेपुर के रसूखदारों से अच्छे सम्बन्ध हैं।साथ ही एक ब्लॉक प्रमुख का बेहद करीबी भी।आरोपी के जेल जाने के बाद वह नेता सकते मे हैं। जो उसके साथ दावत उड़ाते थे।

बिल्हौर में बिजली कटौती से पब्लिक बेहाल

» आने जाने का कोई शेड्यूल ही नहीं रह गया

» मकनपुर में बिजली कर्मचारी भी हो गए लापता

» अधिकारी अपना आवास बनाए हुए हैं कानपुर में

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। जहां एक तरफ तापमान अपनी चरम सीमा पर पहुंच रहा है वहीं दूसरी तरफ बिजली का खेल भी जारी है। बिजली तो दर्शन देती नहीं है और अगर देती भी है तो मुश्किल से 30 मिनट में बेवफा सनम बन दामन छुड़ाकर चल देती है।

जून की शुरुआत में मौसम ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। भीषण गर्मी और तपिश ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। गर्मी के कारण लोगों ने घर से निकलना कम कर दिया है। 12 बजते ही सड़कें सूनी हो जाती हैं। ऐसे में गर्मी के बचने के लिए एक मात्र सहारा बिजली ही है। जिससे पंखा, कूलर, एसी आदि चलाकर गर्मी से लोग काफ़ी हद तक राहत पाते हैं। बिल्हौर, मकनपुर में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह धड़ाम है। लाइट आने और जाने का कोई नियम नहीं है। बिजली विभाग के अधिकारी अपना आवास कानपुर में बनाए हुए हैं। ऐसे में सबसे अधिक समस्या रात के समय खड़ी होती है।

लाइट के साथ बिजली कर्मी भी लापता

मकनपुर निवासी आराफत ने बताया कि लाइट के साथ-साथ बिजली कर्मी भी लापता हैं। फोन किसी का उठता नहीं है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के मलाईदार कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाले तीनों बिजली कर्मी भूमिगत हो गए हैं। ऐसे में आम आदमी पूरी तरह परेशान है।

सम्पादकीय

रॉक गार्डन पर अदूरदर्शितापूर्ण फैसला

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए।यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

गुरबचन जगत

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।पंजाब– पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए - पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे – जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा।

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

मौसम की मार

पंकज चतुर्वेदी

सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है।

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने

पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि।

कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है।

बिल्हौर तहसील में पानी के लिए त्राहि- त्राहि

» चार दिन से खराब पड़ा है मोटर जिसकी सुध लेने वाला कोई नहीं

» हजारों लोगों के लिए पीने के पानी का संकट

» बोतल का पानी खरीदकर प्यास बुझाने को मजबूर हुए लोग

तहसील में लगी पानी की टंकी हो गई शो पीस

एसडीएम ऑफिस के बाहर लगा वाटर कूलर सूखा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील परिसर में बनी पानी की टंकी का मोटर बीते चार दिनों से खराब है। जिसके कारण पीने के पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हुई है। लेकिन जिम्मेदार इस समस्या के प्रति बेपरवाह बने हुए हैं।गौरतलब है कि तहसील परिसर में लगी पानी की टंकी से पुराने और नए दोनों परिसरों में पानी की आपूर्ति होती है। और इसी से वाटर कूलर भी जुड़े हुए हैं। तहसील में सैकड़ों सरकारी और प्राइवेट कर्मचारियों के साथ साथ करीब पांच सैकड़ा वकील रोज दिन भर रहते हैं। वकीलों के बस्तों पर प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है। गर्मी के इस मौसम में हर किसी को पीने के पानी की दरकार रहती है। ऐसे में मोटर की खराबी और उसकी मरम्मत की अनदेखी से लोग परेशान हैं। पीने के पानी के लिए लोगों को दूर दूर तक जाना पड़ रहा है। कुछ लोग पानी की बोतलें खरीदकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। कई दिन बाद भी खराबी दूर न हो पाने के बाबत पूछे जाने पर एक कर्मचारी ने बताया कि मोटर की खराबी सही कराने के लिए कोई बजट नहीं आता है। ऐसे में मोटर कैसे सही हो।

तीन बच्चों की मां 16 साल के लड़के के साथ फुर्र

» 40 साल की महिला 16 साल के लड़के के साथ फरार होने पर हुई पुलिस में शिक़ायत

» 11वीं का छात्र है लड़का

» लड़के के घर में किराएदार थी 40 वर्षीय महिला

» पिता महिला से बात करने को मना करते थे

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। वर्तमान दौर में रिश्ते और सम्बन्ध किस तरह रसातल में जा चुके हैं जिसका अंदाजा लगा पाना अब मुश्किल है। कानपुर के गोविंद नगर के एक प्राइवेट कर्मचारी के यहां एक महिला अपने पति और 3 बच्चों के साथ किराए पर रह रहीं थी। 16 वर्षीय लड़के के पिता का आरोप है कि 31 मार्च को दोपहर 2 बजे महिला बेटे को बहला फुसलाकर कहीं चली गई। पुलिस मामले को जांच कर रही है।

पिता ने बताया कि मैं बेटे को उससे बात करने से मना करता था। उसने बात करना बंद भी कर दिया था लेकिन, फिर उसकी बातों में आ गया। महिला का उसके पति से अक्सर झगड़ा होता था। क्योंकि, वो ठीक नहीं थी। मैंने कई बार उससे घर खाली करने को कहा था, लेकिन, वो नहीं करती थी। मुझे नहीं पता था कि वो मेरे बेटे को लेकर ही भाग जाएगी। जबकि उसके तीन बच्चे हैं। उनके बारे में भी नहीं सोचा।इंस्पेक्टर गोविंद नगर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया- 31 मार्च से एक हफ्ते पहले किशोर महिला के साथ भागा था। दोनों भागकर दिल्ली गए थे। तब भी मामला पुलिस के पास आया था। वहां से लड़का इटावा अपने मामा के यहां चला गया था। पुलिस ने जब दोनों से फोन पर बातचीत की। तो महिला और किशोर दोनों थाने पर आए थे।

तब किशोर ने बताया था कि माता-पिता उसके साथ मारपीट करते हैं। इस कारण वो महिला के साथ गया था। थाने में पंचायत होने के बाद किशोर फिर से अपने मामा के यहां इटावा चला गया था। एक हफ्ते बाद महिला वहां पहुंची। वहीं से उसे लेकर फिर फरार हो गई।दोनों के बीच संबंध है या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। मगर, दोनों की लोकेशन दिल्ली की ही मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द किशोर को बरामद कर लिया जाएगा।

बीते दिनों कई ऐसी घटनाएं सामने आईं है जिसने इंसानियत को शर्मशार किया है।

बादलों से पारा एक डिग्री नीचे, फिर भी उमस ने छुड़ाया पसीना, आज से बदलाव की संभावना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को बंगाल की खाड़ी की नमी लेकर आने वाली हवाएं जैसे ही वातावरण की ऊपर सतह पर पहुंचीं। दिन का अधिकतम पारा दो डिग्री नीचे आ गया, लेकिन उमस भरी गर्मी ने शहरियों को बेहाल कर दिया। गर्मी और उमस से फिलहाल लोगों को अभी राहत नहीं मिलने वाली है। इतना जरूर है कि अगले 24 घंटे के बाद बादलों की आवाजाही से तापमान में कमी आएगी लेकिन तब उमस और बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, कानपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में 14 से लेकर 17 जून के बीच तेजी हवा, कड़कड़ाती बिजली के साथ ओले पड़ने की संभावना है।

इस बीच हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय का कहना है कि कानपुर आते-आते हल्की फुहारें ही रह जाएंगी। उनका कहना है कि जिस तरह से गर्मी पड़ रही है, उससे राहत के लिए 15 से 20 मिमी बारिश की आवश्यकता है।

मानसून के पहले आने का है संकेत

इतनी बारिश फिलहाल संभव नहीं दिख रही है।

इतना जरूर है कि भीषण गर्मी के बाद आ रहे बादल मानसून के पहले आने का संकेत जरूर दे रहे हैं। बुधवार को बंगाल की खाड़ी की नमी लेकर आने वाली हवाएं जैसे ही वातावरण की ऊपर सतह पर पहुंचीं।

उमस भरी गर्मी ने किया बेहाल

दिन का अधिकतम पारा दो डिग्री नीचे आ गया, लेकिन उमस भरी गर्मी ने शहरियों को बेहाल कर दिया।

तापमान से अधिक गर्मी लोगों ने महसूस की। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. पांडेय ने बताया कि बंगाल की खाड़ी की नमी की वजह से ऊंचे बादल बन गए।

12 जून की रात से मौसम में बदलाव आने की संभावना

ऊंचे बादलों से बारिश नहीं होती, लेकिन धूप कमजोर हो जाती है। इससे तापमान नीचे गिरता है।

ऊंचे बादल जमीन से छह हजार फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे नमी बढ़ेगी, बादल घने होते जाएंगे। 12 जून की रात से मौसम प्रणाली में तेजी आने की संभावना है।

कब लड़कों के साथ न्याय होगा?

देश के युवा का दर्द मेरी कलम से **(अभिषेक शुक्ला.. रचनाकार)**

प्रेम में आजकल प्रतिकार हो रहा हैं
आज के इस युग में लड़कों पर वार हो रहा हैं
बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ वाले इस देश में हवाओं का रुख बदल रहा हैं
देश के अलग अलग कोनों में हर दिन एक लड़का मर रहा हैं
कभी सूटकेश कभी ड्रम तो कभी पहाड़ों से गिराया जा रहा है
हर दिन कही ना कही एक युवा लड़के को मारा जा रहा है
कभी डराती कभी धमकाती कभी दहेजप्रथा के आरोपों में झूठा फसाती
देश कि बेटियां आज कल ना जाने क्या क्या रंग दिखाती
चार दिन शादी के होते चार दिन में तलाक हो रहा हैं
इस तलाक के नाम पर लड़कों के जीवन घर गृहस्थी और पैसों पर वार हो रहा हैं
जब होती हैं किसी और से मोहब्बत सब कुछ उसी के साथ हो रहा हैं
फिर क्यों करती हैं भोले भाले लड़कों से शादी क्यों उन पर वार हो रहा हैं
गजब का तमाशा देश में गजब का खेल हो रहा हैं
अच्छे खासे लड़कों को मौत के घाट उतार कर दो कौड़ी का प्रेम हो रहा हैं
कौन गुनहगार हैं इनका कौन इनका जिम्मेदार है
क्या इनके मां बाप को नहीं पता कैसी हैं हमारी बिटिया किससे उसको प्यार है
जान के अंजान बनना ये भी गुनहगार कि निशानी हैं
इस देश में लड़कों कि मौत से ज्यादा टीवी पर उसको मारने वालों कि प्रेम कहानी दिखानी है
किसने उठाई आवाज इन लड़कों के लिए कौन आगे आया हैं
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ वाले इस समाज में क्या लड़कों का दर्द कोई समझ पाया है
देश के बने कानूनों में लड़कों को हमेशा दबाया है
हर जगह लड़कों ने बस भेद भाव पाया है
क्या पता नहीं है समाज को या कानून को नहीं हैं जानकारी
ना जाने कितने झूठे मुकदमे लड़कों के जीवन पर पड़ गए भारी
दहेज प्रथा जैसे कानूनों के चलते ना जाने कितने घर तबाह हो गए
भोले भाले लड़के इस कानून के चलते लड़कियों के शिकार हो गए
कब बदलेंगे ये नियम ये कानून कब लड़कों के साथ न्याय होगा
या चलता रहेगा ऐसे ही हर बार लड़का या उसका परिवार शिकार होगा
कब बदलेगा ये कानून कब इन नीतियों में सुधार होगा
या चलता रहेगा ऐसे ही हर बार लड़का शिकार होगा
जेल में बंद बेहिसाब लड़के और बंद उनके परिवार हैं
एक बार ठीक से जांच करके देखो
80 प्रतिशत से ज्यादा झूठे मुकदमे के शिकार हैं
मैं भी एक लड़का हूं मुझे इनका दर्द समझ आया है
जो चल रहा था मेरे मन में
उसे मैने अपनी कलम के जरिए बताया है
पढ़िए सब मेरे इन शब्दों को बताइए क्या समझ आया है
मैने सब सच लिखा हैं या कुछ झूठ बताया है
आशा यही है कि इन सब के चलते कुछ नियमों कुछ कानूनों में बदलाव होगा
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ वाले अपने इस देश में लड़कों के साथ भी न्याय होगा।

रिंग रोड विवाद में उतरा भारतीय किसान यूनियन (किसान)

रास्ता न मिलने से नाराज़ ग्रामीणों ने धरना जारी रखा, किसान यूनियन ने एसीपी को सौंपा ज्ञापन

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। मंधना से सचेंडी तक बन रहे आउटर रिंग रोड का कार्य तेज़ी से चल रहा है, लेकिन इस महत्वाकांक्षी परियोजना में कुछ विवाद भी उभरकर सामने आ रहे हैं। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इटरा गांव के निवासी रिंग रोड योजना में अपने गांव के लिए संपर्क मार्ग न बनाए जाने को लेकर नाराज़ हैं। इसको लेकर ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन (किसान) के साथ मिलकर रिंग रोड के किनारे बीते कई दिनों से धरना-प्रदर्शन शुरू कर रखा है।

इटरा गांव के ग्रामीणों का कहना है कि रिंग रोड के कारण उनका सीधा संपर्क मार्ग कट गया है और गांव तक पहुंचना अब मुश्किल हो गया है। इससे न केवल उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है बल्कि आपात स्थितियों में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

बीते दिन मौके पर कल्याणपुर एसीपी पहुंचे, जिन्हें भारतीय किसान यूनियन किसान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन ठाकुर, प्रदेश महासचिव अनूप ठाकुर और ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते गांव के लिए रास्ता नहीं दिया गया, तो वे लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास के बाहर बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

ग्रामीणों की यह मांग है कि रिंग रोड निर्माण में उनके गांव के लिए एक समुचित संपर्क मार्ग सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्य के साथ-साथ उनकी दैनिक आवश्यकताएं भी बाधित न हों।

पुलिस का डर दिखाकर वसूली, वायरल ऑडियो से कचहरी में चक चक

» कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने जारी किए 15 संदिग्धों के नाम

» कथित बार पदाधिकारी का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने लिया एक्शन

» पुलिसिया भय दिखा कर उतारबाजी करने वालों पर कमिश्नर सख्त

»वसूलीबाजों की शिकायत के लिए जारी किए कमिश्नर सहित 8 वरिष्ठ अफसरों के नंबर

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू की गई अधिवक्ता दीनू उपाध्याय और उसके चट्टे बट्टों के खिलाफ कार्यवाही में रोज एक नया ट्विस्ट आता जा रहा है। एक तरफ जहां पुलिस का प्रयास है कि इस कार्यवाही को अधिवक्ता बनाम पुलिस की लड़ाई ना बनने दिया जाए वहीं ऐसा लग रहा है कि कुछ महानुभाव इन परिस्थितियों में अपने लिए अवसर तलाश रहे हैं। पुलिसिया कार्यवाही शुरू होने के साथ ही कचहरी कैंपस में अफवाहोंऔर कयासों का बाजार गर्म नजर आ रहा है। इसी बीच कानपुर बार एसोसिएशन के एक कथित वरिष्ठ पदाधिकारी का ऑडियो वायरल हो गया। जिसमें वह एक व्यक्ति से पुलिस कार्यवाही से बचाने के लिए पैसे मांगते सुनाई पड़ रहे हैं।

ऑडियो के बाद चौकन्ना हुई पुलिस

ऑडियो वायरल होते ही कानपुर पुलिस चौकन्ना हो गई और साथ ही भय का भूत दिखाकर वसूली के मंसूबे पालने वालों के खिलाफ सख्त रुख भी अख्तियार किया। कानपुर पुलिस ने कमिश्नर सहित 8 वरिष्ठ अफसरों के सीयूजी नंबर जारी कर लोगों से अपील की है कि यदि पुलिस अफसर के नाम पर या पुलिस कार्यवाही से बचाने के लिए कोई पैसे की डिमांड करे तो इन आठ नंबरों पर पुलिस को सूचना दें।

दीनू प्रकरण में 15 संदिग्धों के नाम जारी

पुलिस ने कचहरी में अफवाह और कयासों के दौर को थामने के लिए जबरन जमीन कब्जाने वाले दीनू उपाध्याय प्रकरण में साक्ष्य के आधार पर प्रकाश में आए 15 नामों की लिस्ट जारी की है।

पुलिस ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया है कि अभी तक की जांच में तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर यही 15 नाम संदिग्धों / सम्भावित अभियुक्तों के रूप में सामने आए हैं। इस प्रेस नोट के माध्यम से पुलिस ने उन लोगों के प्रयासों को रोकने का प्रयास किया है जो दीनू और उसके साथियों के साथ संबंधों या तस्वीरों को आधार बनाकर कचहरी में कुछ लोगों के साथ वसूली का खेल खेल रहे हैं।

क्र0सं0	अधिकारी का पदनाम	सी0यू0जी0 नंबर
1	पुलिस आयुक्त	9454400285
2	संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था	9454400447
3	संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय	9454400385
4	पुलिस उपायुक्त पूर्वी	9454400572
5	पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल	9454400686
6	पुलिस उपायुक्त पश्चिम	9454400571
7	पुलिस उपायुक्त दक्षिण	9454400573
8	पुलिस उपायुक्त अपराध	9454400579

वायरल ऑडियो ने बढ़ाई मुश्किलें

बार एसोसिएशन के एक कथित वरिष्ठ पदाधिकारी का ऑडियो वायरल होने के पश्चात इस मामले में फंसे कुछ लोगों का खेल भी बिगड़ गया है। एक आरोपी को मेडिकल के आधार पर जमानत मिलने की संभावनाओं पर भी इस वायरल ऑडियो ने पानी फेर दिया है।

तो क्या दीनू का गैंग तय हो गया?

कानपुर पुलिस कमिश्नरेट का प्रेस नोट जारी होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि दीनू उपाध्याय के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही भी तय है। दरअसल प्रेस नोट में पुलिस ने पहली बार गैंग शब्द का प्रयोग किया है। प्रेस नोट के अनुसार यही 15 लोग गैंग बनाकर जमीन कब्जा करने, लोगों को डराने धमकाने और मारपीट करने जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त रहे हैं। जबकि अभी तक इन मामलों में जो फिर एफआईआर दर्ज हुई हैं उनमें गैंग या गिरोह शब्द का उपयोग नहीं किया गया था। पुलिस द्वारा 15 लोगों के नाम जारी किए जाने के बाद कचहरी में यह माना जा रहा है कि आगे चलकर पुलिस जब इन पर गैंगस्टर की कार्यवाही करेगी तो यही नाम दीनू के गैंग में शामिल हो सकते हैं।

प्रेस नोट–

अवगत कराना है कि कमिश्नरेट कानपुर नगर पुलिस द्वारा अपराधियों के विरूद्ध विशेष अभियान मे कतिपय नाम प्रकाश में आये हैं, जो गैंग बनाकर जमीन कब्जा कर लोगों को डराने धमकाने मारपीट आदि करने जैसे गम्भीर अपराधों में लिप्त रहे हैं। इनके विरूद्ध जनता से प्राप्त शिकायतों के आधार पर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभी तक के मामलों मे निम्नलिखित व्यक्तियों की संलिप्तता प्रकाश में आयी है, जिसमें साक्ष्य संकलन की कार्यवाही प्रचलित है–

क्र0सं0	नाम
1	दीनू उपाध्याय उर्फ धीरज पुत्र जीवनलाल निवासी 2/215 नवाबगंज कानपुर नगर।
2	अरिदमन सिंह पुत्र स्व0 मोहन सिंह नि0 623 डी ब्लाक श्याम नगर थाना चकेरी कानपुर नगर।
3	धीरज दुबे उर्फ टविंकल पंडित निवासी 13/152 बनवारीलाल का हाता परमट थाना ग्वालटोली कानपुर नगर।
4	दीपक जादौन पुत्र स्व0 हनुमान सिंह नि0 64 ए पशुपति नगर थाना नौबस्ता कानपुर नगर।
5	गोपाल सिंह पुत्र पारसनाथ सिंह नि0 प्लाट नं0–78 सैयद नगर थाना रावतपुर कानपुर नगर।
6	मनु उपाध्याय पुत्र अजय उपाध्याय नि0 2/215 नवाबगंज कानपुर नगर
7	नारायण भदौरिया पुत्र अशोक सिंह नि0 3/8 साइड 2, 128/121 बी ब्लाक, 137/126 एम ब्लाक किदवई नगर, कानपुर नगर
8	नीरज दुबे उर्फ सोनू पंडित पुत्र शारदा प्रसाद नि0 13/152 परमट सिविल लाइन थाना ग्वालटोली कानपुर नगर।
9	रामखिलावन पुत्र स्व0 सीताराम नि0 53 परमिया पुरवा थाना नवाबगंज कानपुर नगर।
10	संजय उपाध्याय पुत्र जीवनलाल उपाध्याय नि0 एफ–2 प्रथम तल मा अपार्टमेन्ट सीएनजी रोड पत्रकारपुरम नवाबगंज कानपुर नगर।
11	सत्येन्द्र त्रिवेदी पुत्र महेन्द्र त्रिवेदी नि0 बैकुण्ठपुर थाना बिठूर कानपुर नगर।
12	अनूप शुक्ला पुत्र अशोक कुमार शुक्ला नि0 जागेश्वर मंदिर नवाबगंज थाना नवाबगंज कानपुर नगर।
13	विकास ठाकुर उर्फ विक्की ठाकुर पुत्र रमाशंकर सिंह निवासी 13/55 परमट सिविल लाइन्स थाना ग्वालटोली कानपुर नगर।
14	धर्मेन्द्र सिंह उर्फ धरमू यादव पुत्र महावीर सिंह यादव नि0 श्याम नगर थाना चकेरी कानपुर नगर।
15	प्रोत गुप्ता पुत्र सुरेश गुप्ता नि0 हालपता प्रीम एमराल्ड थाना स्वरूप नगर मूल पता– बादशाही नाका, कानपुर नगर।

उपरोक्त 15 व्यक्तियों के नाम के अतिरिक्त, अन्य किसी व्यक्ति का नाम अभी तक संज्ञान मे नहीं आया है व न ही साक्ष्य है, किन्तु प्राप्त गोपनीय सूचनाओं के आधार पर यह तथ्य संज्ञान में आया है कि अधिवक्ता संघ के कुछ पदाधिकारियों एव कुछ दलालो द्वारा अधिवक्ताओ को अपनी पुलिस प्रशासन से नजदीकी बताकर यह डराया जा रहा है कि उनके विरूद्ध पुलिस द्वारा कार्यवाही किये जाने की संभावना है व उनसे पैसा वसूलने/मांगने सम्बन्धी कृत्य प्रकाश मे आये है। यदि किसी अधिवक्ता से इस प्रकार की रंगदारी एवं अवैध वसूली सम्बन्धी आपराधिक कृत्य कोई कर रहा है, तो वह अपनी शिकायत निम्नलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नंबर पर दर्ज करा सकता है, ताकि ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

गैंगस्टर की कार्रवाई में अभी समय

दरअसल गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के लिए आवश्यक है कि गिरोह के सदस्य या तो गिरफ्तार कर लिए गए हों या उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया गया हो। दीनू उपाध्याय और उसके साथियों के खिलाफ अभी पुलिस की जांच जारी है।

मामला हाई प्रोफाइल होने के चलते सभी मामलों में कदम कदम पर कानूनी अड़चन भी आ जाती हैं जैसे एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका फिलहाल कोर्ट में पेंडिंग है, जिस पर कल सुनवाई की तारीख तय है।

पुलिस ने अभी तक दीनू उपाध्याय और सत्येंद्र त्रिवेदी को ही गिरफ्तार किया है जबकि धीरज के खिलाफ कोर्ट ने एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया है। पुलिस की कोशिश है जल्द से जल्द कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए अन्य के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कराया जाए। जिससे इन सभी की गिरफ्तारी का मार्ग प्रशस्त हो सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

राजकीय बालिका विद्यालय में समर कैंप का रंगारंग समापन

» प्लास्टिक मुक्त जीवन और योग के जरिए बच्चों को मिला नया नजरिया

» प्रधानाध्यापिका शीतला देवी के नेतृत्व में हुआ सराहनीय आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मलासा में ग्रीष्म अवकाश के दौरान आयोजित समर कैंप का समापन बच्चों के ज्ञान और जागरूकता के उत्सव के रूप में हुआ। कैंप का संचालन सुबह 7 से 10 बजे तक हुआ जिसमें बच्चों को योग, व्यायाम, सूक्ष्म ध्यान के साथ-साथ जीवन कौशल, टीम भावना और सांस्कृतिक मूल्यों की भी शिक्षा दी गई।

इंचार्ज प्रधानाध्यापिका शीतला देवी ने प्रतिदिन स्वयं योग सत्र का संचालन कर बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। सहायक अध्यापिकाएं शैली, दिव्या गुप्ता और अपर्णा बघेल ने विविध गतिविधियाँ संपन्न कराईं, जिनमें बच्चों ने स्वयं कागज और कपड़े के लिफाफे बनाकर पर्यावरण-संवेदनशीलता का परिचय दिया।

प्लास्टिक हटाओ-प्रकृति बचाओ की थीम पर जागरूकता

कैंप में 'सिंगल यूज प्लास्टिक ना करें उपयोग' थीम पर विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं। अपर्णा बघेल ने प्लास्टिक के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों पर प्रकाश डाला और बताया कि इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है और खेतों की उर्वरा शक्ति घटती है। उन्होंने जूट और कपड़े के बैग के उपयोग को प्रोत्साहित किया। कैंप के दौरान बच्चों ने वृक्षारोपण कर फ्एक पेड़ मां के नामफ् अभियान के तहत यादगार तस्वीरें भी खिंचवाई। समापन पर पांच प्रतिभाशाली छात्राओं और अध्यापिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जलालपुर में नाली निर्माण में घोटाले की बू

» घटिया ईंट और मसाले से बन रही नाली, कभी भी गिरने का खतरा

» समाजसेवी अशोक सचान की शिकायत पर प्रशासन से जांच की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक के जलालपुर गांव में बन रही इंटरलॉकिंग सड़क की नाली में घटिया सामग्री के इस्तेमाल को लेकर ग्रामीणों में रोष है।

समाजसेवी अशोक सचान ने इस संबंध में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को लिखित शिकायत भेजी है।

शिकायत में कहा गया है कि नाली निर्माण में खराब ईंट, घटिया सीमेंट और मानक से कमजोर मोरम का उपयोग हो रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य की जांच नहीं हुई, तो नाली बनने के कुछ ही समय बाद धराशायी हो सकती है।

धरने के बाद शुरू हुआ था निर्माण

गौरतलब है कि यह सड़क नहर पुल से तालाब तक लगभग 190 मीटर लंबाई में प्रस्तावित थी, जिसे लंबे संघर्ष के बाद मंजूरी मिली थी। महीनों तक निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय के पास धरना भी दिया था, जिस पर एसडीएम जितेंद्र कटियार ने मौके पर पहुंचकर इंटरलॉकिंग सड़क और नाली निर्माण का आश्वासन दिया था।

अब जब काम शुरू हुआ है, तो उसकी गुणवत्ता को लेकर फिर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने मुख्य विकास अधिकारी से हस्तक्षेप कर मानक अनुसार निर्माण कराने की मांग की है।

13 जून से पटरी पर लौटेगी झांसी-कानपुर पैसेंजर ट्रेन

» 30 दिन की रुकावट के बाद फिर शुरू होगी सेवा, यात्रियों को बड़ी राहत

» शेख मोहम्मद और मंत्री राकेश सचान की पहल लाई रंग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर मध्य रेलवे की झांसी-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन, जो बीते 30 दिनों से रद्द चल रही थी, अब 13 जून से फिर से शुरू की जा रही है। हालांकि यह ट्रेन अब झांसी से लखनऊ के बजाय झांसी से कानपुर तक ही संचालित होगी। यह निर्णय डीआरएम झांसी दीपक सिन्हा की अध्यक्षता में हुई रेलवे बैठक में लिया गया।

ट्रेन संख्या 51813/51814 को लखनऊ स्टेशन पर चल रहे तकनीकी कार्यों के कारण एक माह के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया था।

लेकिन कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य शेख मोहम्मद की पहल पर रेलवे ने झांसी से कानपुर तक इसकी सेवा बहाल करने का फैसला किया है।

छोटे स्टेशनों के यात्रियों को मिलेगा सीधा फायदा

यह ट्रेन यात्रा के दौरान लगभग आधा सैकड़ा छोटे स्टेशनों पर रुकेगी,

जिससे उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जिनके पास सीमित परिवहन विकल्प होते हैं।

ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सेवा जीवनरेखा की तरह मानी जाती है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, जैसे ही लखनऊ स्टेशन पर कार्य पूर्ण होता है, इस रूट को फिर से लखनऊ तक विस्तारित करने पर विचार किया जाएगा।

सैयद शकील बाबा की मजार पर नहीं लगेगा सालाना उर्स

पिछली बार हुई मारपीट को लेकर पुलिस प्रशासन ने अनुमति देने से इन्कार कर दिया

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज बाराबंकी। क्षेत्र के फूलपुर गांव स्थित सैयद शकील बाबा की मजार पर लगने वाला सालाना उर्स मेला इस बार नहीं लगेगा। लोगो का मानना है कि पिछली बार हुई मारपीट को लेकर पुलिस प्रशासन ने इसकी अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। ग्राम प्रधान असलम उर्फ छंगा ने बताया कि परमिशन न मिलने के कारण कई वर्षो से मजार पर 10 जून से चार दिवसीय मेला उर्स का आयोजन होता था जो निरस्त कर दिया गया है। लोगो में चर्चा है कि पिछले साल यहां दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट हो गई थी।

ऐसे में पुलिस ने इस बार भी मारपीट की आशंका जताते हुए मेला कमेटी को उर्स व मेला आयोजित करने की अनुमति न देते हुए आपत्ति जताई। जबकि मेले की आल रेडी पूरी तैयारिया हो गई थी व झूले सहित कई अन्य प्रकार की दुकान भी लग गई थी। ग्रामीणों इसरद ' जान मोहम्मद , असलम, नौशाद का कहना है। अचानक स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कही की मेला का परमिशन नही है मेला नही लग सकता है। वही दुकानदार जलालुद्दीन ने बताया कि दुकानदारो का लाखो का नुकसान हो हुआ है। इस संबंध में सूरतगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने बताया कि बिना अनुमति के मेला का आयोजन कर रहे थे जिसकी सूचना मिली थी तो मौके पर जाकर मेला न लगाने की हिदायत दी थी। जिसके बाद लगने वाला मेला रद्द हुआ।

ओझियापुर गांव में सूखे पड़े तालाब

» **पशु पक्षियों और वन्य जीवों को हो रही दिक्कत, कागजों पर तालाबों में भर दिया गया पानी**

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। विकास खंड निंदूरा में गर्मी के प्रकोप बढ़ने के साथ पशु पक्षियों के पीने के पानी की समस्या गंभीर हो गई है। ग्राम पंचायत ओझियापुर में अधिक तर तालाब सूखे पड़े है। जिसके कारण पशु-पक्षियों को पीने के पानी का उचित मात्रा में नहीं मिल पा रहा है जिससे उनको जीवन यापन में समस्या का सामना करना पड़ रहा है । मनरेगा योजना के तहत लाखों रुपए खर्च कर तालाबों की खुदाई और सुंदरीकरण का काम कराया गया था। लेकिन अब इन तालाबों में पानी नहीं है ग्राम पंचायत ओझियापुर के कई तालाबों की कई वर्षो पूर्व मनरेगा के तहत खुदाई की गई थी। इन तालाबों में पशु-पक्षियों के पीने का पानी नहीं है। स्थानीय ग्रामीण अंशुल तिवारी,मो0 सफीक,मो0 शमीम,राजाराम,राजू आदि का कहना है कि इन तालाबों में कई वर्षो से गर्मियों में पानी नहीं भराया गया है। जिसके कारण पशु-पक्षियों को पानी पीने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार क्षेत्र में दिन का तापमान 40-42एष्ट तक पहुंच जाता है। स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान से कह कर तालाबों में पानी भरवाने की मांग की है। जिससे पशु पक्षियों को पानी पीने में राहत मिल सकेगी।

किसानों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना

» वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक योगी सरकार की तरफ से प्रदेश के 11690 लाभार्थियों को 5.61 अरब रुपये की दी जाएगी सहायता

» अंबेडकरनगर में शुक्रवार को शिवबाबा स्थान पर जनपद के लाभार्थी किसानों को चेक देंगे सीएम योगी, डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में जाएगी धनराशि

» योजना के तहत 431 लोगों को लगभग 21 करोड़ रुपये का प्रदान किया जाएगा चेक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार अन्नदाता किसानों के हर सुख-दुख में सदैव साथ खड़ी है। दुर्घटना में किसी किसान की मृत्यु-दिव्यांगता आदि होने पर आश्रितों/परिवारों के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना संबल बनी है। किसी अप्रिय घटना में आश्रित परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है, जिससे परिवारवालों को जीवनयापन में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है,

ऐसे में संकट के समय इस योजना के माध्यम से योगी सरकार ऐसे परिवारों के लिए संबल प्रदान कर रही है। यह योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। योजना के अंतर्गत दुर्घटनावश मृत्यु-विकलांगता की दशा में अधिकतम पांच लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है।

431 लोगों को दी जाएगी लगभग 21 करोड़ की सहायता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत शुक्रवार (13 जून) को अंबेडकर नगर के शिवबाबा मैदान में जनपद के 431 लोगों को सहायता राशि का चेक प्रदान करेंगे। इसमें 408 लोगों को पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

10 लोगों को ढाई लाख, एक किसान परिवार को 1.25 लाख व 12 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि का डेमो चेक प्रदान किया जाएगा।

कुल राशि 20 करोड़, 78 लाख, 25 हजार रुपये (लगभग 21 करोड़) है। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में जाएगी।

किसानों को 5.61 अरब से अधिक की सहायता

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत अब तक प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 11690 लोगों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इन्हें योगी सरकार द्वारा 5 अरब, 61 करोड़, 86 लाख, 28,200 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

साल दर साल बढ़ता गया बजट

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। योगी सरकार ने सत्र 2020-21 में इसके लिए 500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था। इसके बाद किसानों के लिए हर वित्तीय वर्ष में बजट बढ़ता गया।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना से लाभान्वित शीर्ष 10 जनपद

जनपद	स्वीकृत दावे	धनराशि
अंबेडकरनगर	431	20,78,25,000
कुशीनगर	392	19,55,00,000
कानपुर देहात	403	19,51,50,000
मैनपुरी	355	17,66,00,000
जौनपुर	417	17,20,00,000
इटावा	352	17,00,80,000
हरदोई	342	15,99,00,000
लखीमपुर खीरी	334	15,82,50,000
सोनभद्र	307	13,75,75,000
संतकबीर नगर	280	13,35,25,000

2020 से लाभान्वित किसान व बजट आवंटन

सन	बजट	लाभार्थी
2020-21	500 करोड़	11275
2021-22	600 करोड़	13645
2022-23	650 करोड़	15231
2023-24	950 करोड़	23821
2024-25	1000 करोड़	25575
2025-26	1050 करोड़	11690

पुरानी मछली मंडी में 42 करोड़ से बनेगा आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

» विकास के नाम पर यादें मलबे में दबीं

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या के चौक क्षेत्र में इतिहास पर बुलडोज़र चला। वर्षों से जमी-जमाई मछली मंडी और रिफ्यूजी मार्केट को जमींदोज़ कर दिया गया।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने 42 करोड़ की लागत से बनने वाले आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए इस 'ध्वस्तीकरण' को विकास का नाम दिया है, लेकिन स्थानीय व्यापारियों और आमजन की आंखों में यादों की नमी साफ झलक रही थी।

करीब दो सौ दुकानों और वाहन पार्किंग समेत स्मार्ट सिटी मॉडल में ढले इस प्रोजेक्ट के लिए शासन की मंजूरी पहले ही मिल चुकी थी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों ने जर्जर घोषित किए गए पुराने भवनों को ध्वस्त कर दिया।

मलबे के ढेर पर बैठी कुछ बूढ़ी निगाहें इस 'विकास' की कीमत को नाप रही थीं — जहां एक दौर की रोज़ी-रोटी, रिश्ते और पहचान दफन हो गई।

इस कार्रवाई से जहां एक ओर शहर के सौंदर्यीकरण का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़े गए व्यापारियों में रोष भी पनप रहा है। सवाल उठ रहा है कि क्या स्मार्ट सिटी बनने की राह वाकई इतनी बेरहम होनी चाहिए? यह महज इमारतों का ध्वस्तीकरण नहीं, एक पूरी पीढ़ी की स्मृतियों का विसर्जन है।

झांसी में दर्दनाक हादसा

डिवाइडर से टकराई कार, चार की मौत बच्चों समेत चार घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। झांसी में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार सभी लोग सिद्धार्थ नगर से महाराष्ट्र के मोबरा जा रहे थे।

बृहस्पतिवार को झांसी के पूंछ थाना इलाके गांव खिल्ली में डिवाइडर से टकराकर एक कार पलट गई। हादसे में मौके पर सिद्धार्थ नगर के तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान एक और बच्चे की मौत हो गई। पूंछ थाना प्रभारी ने बताया कि सिद्धार्थ नगर के इतरी बाजार में रहने वाले दो परिवार के लोग महाराष्ट्र के मोबरा में काम करते थे। ईद का त्योहार मनाने के लिए वह अपने घर आए थे। बुधवार की रात को वह मोबरा जाने के लिए कार से निकले थे। हादसे में इतरी बाजार के आमिर (45), आशमा (40), उसना परवीन (15) की मौके पर ही मौत हो गई।

एक बच्ची की हालत गंभीर : शाहबुद्दीन (70), अब्दुल्ला बहादुर रहमान (10), अनीदुक रहमान (आठ), ईश्म (छह) और अबैदुक रहमान गंभीर रूप से घायल हो गए। अबैदुक रहमान (40) ने मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया है। ईश्म की हालत नाजुक बताई जा रही है

कार्रवाई : खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का किया भंडाफोड़

पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से पहले पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने की बड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने खालिस्तानी समर्थकों पर कार्रवाई करने के लिए प्रोजेक्ट पेलिकन चलाया हुआ है। इसके तहत कनाडा की पुलिस ने खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर 479 किलो कोकीन जब्त की है। साथ ही भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए 'प्रोजेक्ट पेलिकन' नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है। इसके साथ ही पुलिस ने कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सजगित योगेंद्रराजा (31), मनप्रीत सिंह (44), फिलिप टेप (39), अरविंदर पोवार (29), करमजीत सिंह (36), गुरतेज सिंह (36), सरताज सिंह (27), शिव ओंकार सिंह (31) और हाओ टॉमी हुइन्ह (27) शामिल हैं।

पीएम मोदी ने कार्नी को दी थी जीत की बधाई

जी7 शिखर सम्मेलन का निमंत्रण मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को उनकी हालिया चुनावी जीत की बधाई दी थी। साथ ही शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और कनाडा मजबूत संबंधों वाले जीवंत लोकतंत्र हैं। दोनों देश नई ऊर्जा और साझा लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में कार्नी से मुलाकात करने के लिए उत्सुक हैं।

15 से 17 जून तक आयोजित होगा जी7 शिखर सम्मेलन

जी7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में 15 से 17 जून तक आयोजित होगा। इससे पहले, पीएम कार्नी ने ओटावा में बोलते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन उभरते और विकासशील देशों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अहम हिस्सा है, इसलिए भारत को इस सम्मेलन में शामिल होना चाहिए।

भारत विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल करते थे ड्रग्स का पैसा : पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अमेरिका और कनाडा के बीच वाणिज्यिक ट्रकों से ड्रग्स भेजता था। समूह के मेक्सिको ड्रग कार्टेल और अमेरिका में ड्रग वितरकों से संबंध थे। सूत्रों के अनुसार, ड्रग्स बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों जैसे- विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह, हथियारों की खरीद आदि में किया जाता था। खुफिया एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस ड्रग नेटवर्क का समर्थन कर रही है, जो कनाडा में खालिस्तानी समूहों का इस्तेमाल मेक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी के लिए कर रही है। कनाडा के कनानास्किस में जी7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। कार्नी ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी को फोन कर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था।

हत्या के बाद किलर संग स्कूटी पर बैठकर निकली सोनम

सोनम समेत सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, अवैध संबंध था कारण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिलांग। मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी और उसके चार अन्य साथियों को शिलांग की एक अदालत ने आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इधर मेघालय पुलिस ने इस मामले में कई बड़े खुलासे किए हैं। शिलांग ईस्टर्न रेंज के डीआईजी डेविस एनआर मारक ने कहा कि जांच में ये बात सामने आ रही है कि सोनम ने ही पति की हत्या करवाई और फिर आरोपियों के साथ शव को ठिकाने लगाया।

उन्होंने बताया कि होम स्टे के कमरे में हमें सूटकेस से सोनम का मंगल सूत्र और एक रिंग मिला, जिससे हमें पहला शक हुआ कि आखिर एक शादीशुदा महिला अपना मंगल सूत्र सूटकेस में रखकर कैसे जा सकती है. सोनम और किलर आसपास के होटलों में रुके थे। सोनम हत्या के बाद टैक्सी से गुवाहाटी गई

सोनम समेत सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है-पुलिस : डेविस एनआर मारक ने एनडीटीवी को बताया कि सोनम समेत सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। शुरुआती जांच में हत्या का मकसद अवैध संबंध है, बाकी हम जांच कर रहे हैं। किलर्स को कितना पैसा दिया गया, हम इसकी जांच कर रहे हैं। किलर्स संपर्क में कैसे आए उसको लेकर भी जांच चल रही है।

घटना के बाद टैक्सी हायर कर सोनम गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंची : उन्होंने कहा कि आरोपी एक दूसरे पर ही आरोप लगा रहे हैं। राजा हत्याकांड के बाद सोनम ने अपने दो फोन और राजा का फोन ठिकाने लगाया है। चारों फोन की लास्ट लोकेशन हत्याकांड के नजदीक थी। सोनम ने इंटरनेट पर हत्याकांड से पहले मर्डर स्पॉट और उस जगह की काफी सर्च की, जहां तक राजा को ले जाया गया, फिर उसकी हत्या करवाई गई। घटना को अंजाम देने के बाद सोनम ने शिलांग से एक टैक्सी हायर की और उससे गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंची। पुलिस बयान लेने के लिए उस टैक्सी वाले की भी तलाश कर रही है।

सोनम की वापसी की टिकट किसने करवाई? राज कुशवाहा से बात करने के लिए वो ट्रेन में किसके फोन का इस्तेमाल कर रही थी? ये सब भी पता लगाना है।

> “डीआईजी मारक ने बताया कि आरोपी तीन स्कूटी से हत्या करने गए थे. वापसी में सोनम एक सुपारी किलर के साथ ही स्कूटी पर बैठकर आयी थी. सोनम ने राजा से कहा कि आगे फोटो खींचना है और जैसे ही राजा आगे सुनसान इलाके में गया, उसकी हत्या कर दी गई. सोनम के पास 4 मोबाइल फोन थे, जिसमें से हमें केवल 1 मिल पाया है, तीन फोन की तलाश की जा रही है।

> “डीआईजी ने बताया कि सोनम ने गाजीपुर में झूठ बोला कि उसे किडनैप किया गया और उसे ड्रग्स दिया गया। सोनम हत्या के बाद इंदौर गई, फिर गाजियाबाद और फिर गाजीपुर, हमारे पास बहुत स्ट्रांग सबूत हैं। अभी तक इन 5 लोगों के अलावा किसी का रोल सामने नहीं आया है, लेकिन हम जांच कर रहे हैं।